ABSTRACT

पूर्वी उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य जागरुकता

डॉ. दीप्ति श्रीवास्तव
गोरखपुर (उ.प्र.)

सारांश

किसी भी देश की सामाजिक-आर्थिक प्रगति को जानने के लिए वहाँ की व्यक्तियों की स्वास्थ्य स्थिति एवं स्तर का आंकलन करना अति आवश्यक है समाज में व्यक्तियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है दुनिया में तेजी से हो रहे आर्थिक राजनैतिक और सांस्कृतिक बदलाव का मनुष्य के जीवन और स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है। लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा में नागरिकों को बेहतर इलाज मुहैया करना सरकार का जिम्मा है इस जिम्मेदारी को निभाने के लिये जरूरी है कि सरकारी विभिन्न क्षेत्रों की आबादी सामाजिक और आर्थिक संरचना को ध्यान में रखते हुये उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं के लिये व्यवस्था करें। पूर्वी उत्तरप्रदेश में आबादी के हिसाब से यह स्वास्थ्य जागरूकता का आभाव है पिछले दो दशकों से सुविधाओं, संसाधनों तथा स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। प्रस्तुत शोध पत्र में पूर्वी उत्तर प्रदेश में निवास करने वाले व्यक्ति अपने स्वास्थ्य के प्रति कितने जागरूक है। इस मुद्दों को ध्यान में रखकर सभी बिन्दुओं की विस्तार में चर्चा की गई है।

मुख्य शब्द- *स्वास्थ्य जागरुकता, पूर्वी उत्तर प्रदेश,एलोपैथी चिकित्सा पद्धति।*

समाज वैज्ञानिकी अक्टूबर-मार्च 2020-21
अंक-33-34, ISSN 0973-4201
भारतीय समाज विज्ञान परिषद्